University in News on 27 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उम्मीद : लखनऊ विवि में अगले सत्र से प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

■ क्षेत्र विशेष में व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले पेशेवर अब औपचारिक डिग्री के बिना भी पढ़ा सकेंगे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की व्यवस्था अगले सत्र से शुरू हो सकती है। इसके शुरू होने से क्षेत्र विशेष में व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले पेशेवर लोग भी शिक्षक बन सकेंगे। नियुक्ति की गाइडलाइन तय करने के लिए विश्वविद्यालय पहले ही समिति गठित कर चुका है।

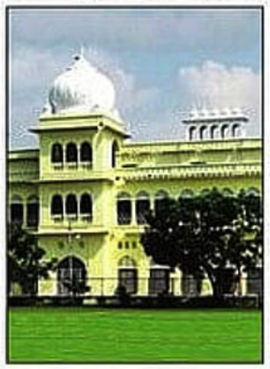

नई शिक्षा नीति में क्षेत्र विशेष में कागजी के बजाय व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले पेशेवरों को कुछ शर्तों के साथ शिक्षक के रूप में नियुक्ति देने की बात कही गई है। उनके पास भले ही नेट और पीएचडी की डिग्री न हो, लेकिन संबंधित क्षेत्र का व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव भरपूर होना चाहिए। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. बलराज चौहान, प्रो. राजकुमार सिंह, प्रो. विभूति राय और प्रो. पूनम टंडन को शामिल करते हुए समिति बना दी है। समिति जल्द ही अपनी रिपोर्ट फाइल करेगी। उम्मीद है कि जल्द ही नियुक्ति की शर्त वाली गाइडलाइन तैयार हो जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। (माई सिटी रिपोर्टर)

चार साल के लिए होती है नियुक्ति

'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की नियुक्ति आमतौर पर चार वर्ष के लिए होती है। इस अवधि में वे नियत वेतनमान पर कक्षाएं लेंगे। संबंधित विवि को वेतन के साथ ही नियुक्ति का आधार, अनुभव, ली जाने वाली कक्षाएं आदि तय करनी होंगी। लविवि ने इसी के तहत कमेटी का गठन किया है।

दूर होगी शिक्षकों की कमी

विश्वविद्यालय के कई विभागों के साथ ही महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी है। यह योजना लागू होने से शिक्षकों की कमी दूर होगी। इससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान भी मिलेगा। शिक्षकों की नियमित नियुक्ति में काफी समय लगता है। एक बार नियुक्ति होने के बाद उनको निकालना संभव नहीं होता है। वहीं प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के मामले में ये दोनों समस्याएं नहीं रहेंगी।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षा सप्ताह कल से, होंगे 82 कार्यक्रम

31 विभागों एवं संस्थानों में लेक्चर, प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक सहित होंगे कई कार्यक्रम

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 66वां दीक्षा समारोह छह दिसंबर को होगा। इसके लिए दीक्षा सप्ताह की शुरुआत 28 नवंबर से होगी। पांच दिसंबर तक होने वाले इस आयोजन में 31 विभागों एवं संस्थानों में विशेष लेक्चर, प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, खेलकूद, पुस्तक मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि होंगे। इसको लेकर विभागों ने तिथियां भी तय कर दी हैं। मंगलवार को द्वितीय परिसर में सांस्कृतिक सुरभि से इसकी शुरुआत होगी। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से टेक अवे ए-जाब फार लवि छात्र, मेडिवियल एंड मार्डन हिस्ट्री विभाग भी व्याख्यान कराएगा। सांस्कृतिकी की ओर से भी कार्यक्रम होंगे।

विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा: 28 नवंबर से शारीरिक शिक्षा विभाग वालीबाल, बास्केटबाल, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता कराएगा। अंग्रेजी विभाग चक्रव्यूह नाटक, 28 को कामर्स विभाग स्पोर्ट्स कार्यक्रम, 29 से जंतु विज्ञान विभाग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 30 से सांस्कृतिक गतिविधियां, एक दिसंबर से वाद-विवाद, दो को कार्यशाला, चार-पांच को पुस्तक मेला व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करेगा।

संग्रहालय का दौरा

एंथ्रोपोलाजी विभाग में एक से पांच दिसंबर तक बने संग्रहालय का दौरा भी विद्यार्थी कर सकेंगे। जन जातियों पर बनी डाक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी।